जे.डी.ए. द्वारा अजमेर रोड पर एक सप्ताह पहले बनाई गई सड़क के सैंपल फेल हुए

2 वर्ष पुराने वर्क ऑर्डर पर जोन-7 के इंजीनियर्स ने पिछले सप्ताह बनवायी थी यह सड़क

जयपुर (कासं)। अजमेर रोड पर पुलिस कमिश्नरेट के सामने से जे.डी.ए. के जोन-7 द्वारा बनाई गई नई डामर सड़क तथा सोडाला में बिछाई गई मैस्टिक डामर के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल हो गए हैं। यह रोड पिछले दिनों ही जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-7 के इंजीनियर्स ने बनायी है। दोनों जगहों पर सैम्पल में ना तो सड़क पर डामर की मोटाई सही मिली और न ही बिछाई गई बिटुमिन में डामर की मात्रा सही मिली। ऐसे में अब सवाल उठने लगे हैं कि क्या जेडीए कमिश्नर आनंदी की चेतावनी का इंजीनियर्स पर कोई असर नहीं है? क्योंकि उन्होंने कार्यभार संभालते ही सबसे पहले इंजीनियर्स की बैठक लेकर चेतावनी दी थी कि घटिया काम किया और शिकायत मिली तो किसी को बख्शा नहीं जायेगा। लेकिन अब ठेकेदारों व इंजीनियर्स के गठजोड़ के कारण जिस तरह से घटिया सड़कें बन रही है, उससे जे.डी.ए. प्रशासन की साख की किरकिरी हो रही है। इसके बावजूद भी दोषी इंजीनियर्स पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही।

ताज्जुब की बात तो यह है कि जोन-7 के अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल ने पहले तो 2 वर्ष पुराने वर्क ऑर्डर पर अजमेर रोड पर डामर बिछाने का काम कराया। जबकि यह सड़क पूर्व में अच्छी-खासी स्थिति में थी। पूर्व जेडीए कमिश्नर मंजू राजपाल के कार्यकाल में जब अच्छी सड़क पर डामर डालने का मामला सामने आया था तो उन्होंने काम रूकवा दिया था। परंतु जैसे ही जे.डी.ए. में आयुक्त बदली तो जोन-7 के इंजीनियर्स ने 7 करोड़ की रिकार्पेटिंग का यह काम पुन: शुरू कर दिया।

करीब 5-6 दिन पहले जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-7 ने पुलिस कमिश्नरेट के सामने से लेकर अजमेर रोड पर सड़क निर्माण शुरू कराया था। यह सड़क पहले ही बेहतर थी,

कुछ खड्डे थे जिन्हें पेचवर्क से टीक किया जा सकता था। यहां के इंजीनियर्स ने पेचवर्क नहीं करा कर इस पर नए सिरे से डामर करा दी थी। डामर भी इतनी खराब थी की वह सड़क पर बिछाते ही बिखर रही थी। इसके अलावा सड़क पर बिछाई गई डामर की मात्रा भी कम थी। यह काम आरएम कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिला था, जिसने यह काम लटाला कंस्ट्रक्शन को सबलेट कर दिया था। दो साल पहले वर्क आर्डर दिया गया था जिसका समय भी खत्म हो चुका था।

ज्ञात रहे कि जे.डी.ए. ने अजमेर रोड पर सड़क वर्ष 2014 में बनाई थी। इसके बाद 2017 में फिर 6 करोड़ के काम की "ए एंड एफ" (वित्तीय स्वीकृति) जारी करा ली थी। उस समय सड़क की बेहतर हालत थी। इस कारण तत्कालीन जेडीसी गौरव गोयल और मंजू राजपाल ने सड़क की अच्छी स्थिति देखते हुए यहां काम कराने की मंजूरी नहीं दी थी। जेडीए के इंजीनियर्स की कमेटी ने भी सड़क को अच्छी हालत में बताते हुए सिर्फ पेचवर्क कराने की सिफारिश की थी। इन सबके बाद अब जब नई जेडीसी आनंदी आई तो इंजीनियर्स ने मौका देख कर सड़क को रिनोवेट करा लिया। इसी तरह सोडाला अजमेर रोड, क्वींस रोड तिराहे पर ट्रेफिक जंक्शन में सुधार के बहाने सड़क पर मेस्टिक वाली डामर बिछाई गई, लेकिन इसकी भी गुणवत्ता खराब थी।

डामर-बिटुमिन कंक्रीट की मोटाई कम मिली

सूत्रों की मानें तो जेडीए के गुणवत्ता प्रकोष्ठ ने पुलिस कमिश्नरेट के सामने अजमेर रोड से एलीवेटेड रोड तक की गुणवत्ता जांच की थी। संबंधित एक्सईएन तरूण सिंघल को मौके पर बुलाया गया था, लेकिन वह नहीं आए। इसके बाद जब इसकी जांच निजी लैब में कराई गई तो सड़क पर बिछाई गई डामर की मोटाई 20 एम.एम. से भी कम मिली जबकि यह मात्रा 35 से 40 प्रतिशत तक होनी चाहिए। इसी तरह बिटुमिन कंक्रीट में डामर की मात्रा लगभग 3.5 प्रतिशत ही मिली,

■ **पिछले दिनों अभियांत्रिकी निदेशक अजय गर्ग ने भी मौका निरीक्षण के बाद अधिशाषी अभियंता से मांगी थी रिपोर्ट**

जबकि डामर की मात्रा 5 प्रतिशत होनी चाहिए। इसी तरह सोडाला अजमेर रोड पर की गई मेस्टिक की मोटाई भी 18 प्रतिशत से भी कम मिली, जबकि यह 25 प्रतिशत होनी चाहिए। पिछले दिनों अभियांत्रिकी निदेशक अजय गर्ग ने भी मौका निरीक्षण के बाद अधिशाषी अभियंता तरूण सिंघल से रिपोर्ट मांगी थी।

छह महीने भी नहीं टिकेगी यह सड़क

एमएनआईटी के एक्सपर्ट के मुताबिक पुलिस कमिश्नरेट के सामने बनाई गई सड़क की मोटाई 20 एम.एम. से भी कम मिली है तो यह सड़क छह महीने भी नहीं चल पाएगी। यहां पर दिन-रात हैवी ट्रेफिक गुजरता है। रोजाना गुजरने वाले वाहनों के भार से सड़क बैठ सकती है, क्योंकि इसमें डामर की मात्रा काफी कम है।

> **अजमेर रोड पर सड़क निर्माण के सैंपल फेल होने की गुणवत्ता प्रकोष्ठ की जांच रिपोर्ट अभी तक मुझे नहीं मिली है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कह सकूंगा।**
>
> देवेन्द्र गुप्ता, निदेशक
> इंजीनियरिंग, जेडीए

झोटवाड़ा में हॉलमार्किंग सेंटर पर कार्रवाई

जयपुर। भारतीय मानक ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को जयपुर में बीआईएस हॉलमार्क के दुरुपयोग की सूचना मिलने पर झोटवाड़ा स्थित मैसर्स श्री सालासर बालाजी हॉलमार्किंग सेंटर, दुकान नं-5,6, 798/1286, सहकार नगर पर कार्रवाई की। इस दौरान सेंटर पर पुरानी हॉलमार्किंग वाले सोने के आभूषण पाए गए। यह भारतीय मानक ब्यूरो एक्ट 2016 की धारा 14 और 15 का उल्लंघन है और इनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

सोने के ज़ेवरातों की खरीदी करते समय ग्राहकों को पूर्ण हॉल्मार्क को जेवरात पर जांच लेना चाहिए। भारत सरकार के आदेशनुसार बिना हॉल्मार्क या गलत हॉल्मार्क के साथ जेवरातों को बेचना कानूनन जुर्म है। सही हॉल्मार्क में बी.आई.एस. का लोगो, कैरट में शुद्धता और एचयूआईडी कोड (6 अंकीय ऐल्फनूमेरिक कोड) होना आवश्यक है। कोड (6 अंकीय ऐल्फनूमेरिक कोड) को बीआईएस केयर एप के माध्यम से सत्यापित कर जेवरात पर हॉलमार्किंग की प्रामाणिकता जान सकते हैं।

'प्रदेश में रोजगार के अवसर सृजित होंगे'

जयपुर। राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अंतर्गत आयोजित हो रहे एमएसएमई कॉन्क्लेव के लिए लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा ने संगठन को आयोजन में सहभागी बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का आभार जताया। जयपुर में लघु उद्योग भारती राजस्थान प्रदेश कार्यालय में हुई बैठक में उन्होंने बताया कि इस समिट के माध्यम से देश और विदेश से निवेश के जो प्रस्ताव आ रहे हैं, उनसे प्रदेश में रोजगार के व्यापक अवसर सृजित होंगे।

सार-समाचार

स्व. रतन टाटा की याद में रक्तदान

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा जयपुर की विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर 10 रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं। मंगलवार को गाँधी नगर मोड स्थित आकृति लैब्स में आठवाँ रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर में अब तक 1000 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया है। खास बात यह रही कि शिविर में 80 प्रतिशत महिलाओं का योगदान था। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के अध्यक्ष दिनेश बज ने बताया कि इन 10 रक्तदान शिविरों में कुल 3000 यूनिट रक्त इकठ्ठा करने का लक्ष्य रखा है। यह शिविर देश के महान उद्योगपति स्व. रतन टाटा को समर्पित किए गए हैं। मंगलवार को शिविर में मुख्य अतिथि राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की कमिश्नर रश्मि शर्मा ने स्वर्गीय रतन टाटा को रत्नांजलि अर्पित कर युवा रक्तदाताओं का उत्साह वर्धन किया। शिविरों में अब तक करीब 1000 युवाओं ने रक्तदान कर दिया। दिनेश बज ने बताया कि 23 अक्टूबर को इस महा आयोजन का आखिरी व सबसे बड़ा रक्तदान शिविर होगा। इस महा आयोजन में रोटेरियन दिनेश बज, भारत भूषण जैन, संजय अग्रवाल, चिन्मय जैन, अजय जैन, रश्मिकांत सोनी, नरेंद्र मित्तल , नीरज काला और अमित अग्रवाल ने वॉलिंटियर के तौर पर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शिविर के दौरान सभी व्यवस्थाओं में अपनी सेवायें प्रदान की।

सहकार मेले में शिवकाशी के पटाखे

जयपुर। सहकारिता विभाग की शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने मंगलवार को यहां भवानी सिंह रोड स्थित नवजीवन सहकारी बाजार में उपभोक्ता संघ के उपहार सहकार दीपोत्सव मेले का विधिवत शुभारम्भ किया। यह मेला 30 अक्टूबर तक प्रात: 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। मंजू राजपाल ने कहा कि सहकारिता गुणवत्ता का प्रतीक है। आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सहकार दीपोत्सव मेले का आयोजन किया जाता है ताकि लोगों को गुणवतापूर्ण वस्तुएं उचित मूल्य पर प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता संघ की अपनी एक विशेष साख है और उत्पादों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है। श्रीमती राजपाल ने कहा कि सहकारिता विभाग सहकार से समृद्धि की दिशा में कार्य करता है और लोकल के प्रति वोकल पर हमारा खास फोकस रहता है। मेले का मुख्य आकर्षण शिवकाशी (तमिलनाडू) के ग्रीन पटाखे हैं, जिन पर 65 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। मंजू राजपाल ने कहा कि मेले में डिमांड के अनुरूप पटाखों की उपलबधता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि मेले के प्रति लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और हमारा प्रयास है कि पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक बिक्री हो। राजपाल ने मेले में लगी सभी स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि मेले में एमएमटीसी के चांदी के सिक्के भी उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार ने अधिकारियों से व्यवस्था के बारे में जानकारी ली और मेले में सुरक्षा एवं अग्निशमन संबंधी व्यवस्थाओं को पुख्ता करने के निर्देश दिए। उपभोक्ता संघ की प्रबंध संचालक शिल्पी पांडे ने बताया कि उपहार दीपोत्सव मेले में जयपुरवासियों के लिए खुले व गिफ्ट पैक में ग्रीन पटाखे, बर्तन, सजावटी फ्लावर, डिजाइनदार कैन्डल्स, बेडशीट्स के साथ ही पूजन सामग्री भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

लिपिका साहित्य संगम की काव्य गोष्ठी

जयपुर। लिपिका साहित्य संगम द्वारा जयपुर के दुर्गापुरा में स्थित एक निजी होटल में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें युवा कवियों व रचनाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दी। यहां हास्य एवं श्रृंगार कवि पारस (हिंडौन सिटी), गीतकार अरविंद अधर (दिल्ली), हास्य कवि रौशु रौशन (देवघर), ओज कवि वैरागी महाकाल (लखनऊ), कवि रामाश्रित, शायर कौशल कामरा, शायर संदीप चराग, राष्ट्रीय ओज कवि रणदीप राहुल, विक्की चौधरी,महेंद्र मेघवंशी, अभिषेक सैनी, मुग्धा, निर्भय चौहान , सोनाली खत्री, सुधांशु पांडे, अविनाश स्वामी, राधेश्याम कुमावत, असीम राज, अर्चना सहाय, जयंत, वीरू योगी, कबीर यश आदि ने अपनी अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार हुकुम सिंह ने की। मुख्य अतिथि लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र जोशी थे। लिपिका साहित्य संगम प्रबंधकों का कहना है कि युवा कवियों को मंच देने का यह कार्यक्रम इसी प्रकार से निरंतर जारी रहेगा।

खेल मंत्री ने किया रक्षित को सम्मानित

जयपुर। युवा मामलात व खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ी रक्षित कायथ को सम्मानित किया। रक्षित ने हांगकांग में आयोजित 15वीं एशियन ड्रेगन बोट (वॉटर स्पोर्ट्स) प्रतियोगता में भाग लिया और भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर राजस्थान जयपुर का नाम रोशन कर पदक जीता। इस मौके पर खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौड़, पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत व सचिव महेश कायथ ने रक्षित को पदक जीतने पर पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया और उसके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

बोरोसिल का ग्लास प्रोडक्शन प्लांट शुरू

जयपुर। भारत के प्रमुख ग्लासवेयर ब्रांड, बोरोसिल लिमिटेड ने जयपुर में अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू की है। यह यूनिट देश की पहली बोरोसिलिकेट ग्लास फर्नेस है। आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के तहत स्थापित की गई यह यूनिट बोरोसिल के मिशन को दर्शाती है, जो कि भारत के ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले ग्लासवेयर की बढ़ती माँग को पूरा करने पर आधारित है। बोरोसिल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्रीवर खेरुका ने बताया कि नए प्लांट में बोरोसिलिकेट और ओपल ग्लास प्रोडक्ट्स की एक विविध रेंज की मैन्युफैक्चरिंग की जाएगी, जिसमें टेबलवेयर, स्टोरेज सॉल्यूशंस, बेकवेयर और सर्विंग आइटम्स शामिल हैं। यह प्लांट प्रति वर्ष 9,125 मीट्रिक टन बोरोसिलिकेट ग्लास और 30,660 मीट्रिक टन ओपल ग्लास की उत्पादन क्षमता से लैस है। इस प्लांट से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 2 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा, जिनमें 25 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं भी हैं।

दस्तावेज सत्यापन का आखिरी मौका

जयपुर। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की संगणक भर्ती परीक्षा-2023 में अब तक दस्तावेज सत्यापन से अनुपस्थित रहे अनंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थी बुधवार को सत्यापन के लिए अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकेंगे। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित इस परीक्षा में अनन्तिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, जयपुर में 23 सितंबर से 30 सितंबर 2024 तक सत्यापित किए गए थे। अब तक सत्यापन से अनुपस्थित रहे अनंतिम रूप से चयनित अभ्यर्थियों को 23 अक्टूबर को दस्तावेज प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर प्रदान किया है।

'केडिया सेजस्थान' में कोठी खरीदने के लिए उमड़ी भीड़

जयपुर (कासं)। 'केडिया सेजस्थान' आवास योजना में कोठी खरीदने के लिए लोगों में जमकर उत्साह देखा जा रहा है। केडिया ग्रुप का कहना है कि इस दिवाली 'केडिया सेजस्थान' में महा दिवाली मनेगी, क्योंकि दीपावली के बाद 15 लाख रेट बढ़ेगी, इससे अभी कोठी खरीदने वाले लोगों को 15 लाख रु. का महा-लाभ होगा।

ऐसे में दीपावली से पूर्व अपना मकान खरीदने के लिए लोगो की भारी भीड़ 'केडिया सेजस्थान' प्रोजेक्ट को देखने उमड़ रही है। साथ ही लोग पुष्य नक्षत्र और धनतेरस के शुभ मुहूर्त पर बुकिंग करने के लिए अपनी यूनिट रिजर्व्ड करवा कर जा रहे हैं, क्योंकि केडिया सेजस्थान में अब गिनती की कुछ ही कोठी बची हैं। दिवाली के बाद यह कोठी लाखों में नहीं एक करोड़ रु. में मिलेगी।

केडिया ग्रुप का यह प्रोजेक्ट जयपुर में अजमेर रोड पर स्थित है। यहाँ 2-3 वॉक-अप अपार्टमेंट और 3-4 बीएचके कोठियां उपलब्ध हैं। वॉक-

■ **केडिया ग्रुप का कहना है कि, इस प्रोजेक्ट वॉकअप अपार्टमेंट व कोठी की कीमतें दीपावली के बाद 15 लाख रु. बढ़ेंगी, इसलिए पुष्य नक्षत्र और धनतेरस पर बुकिंग के लिए लोग अपनी यूनिट्स रिजर्व करवा रहे हैं।**

अप अपार्टमेंट्स की कीमतें 63.45 लाख से शुरू हैं, जबकि कोठियों की कीमतें 84.60 लाख से आरंभ हैं, जो कि दिवाली बाद करीब एक करोड़ रु. की बेची जाएंगी। इस टाउनशिप में 60 विश्वस्तरीय सुख-सुविधाएं होंगी, जो एक शानदार जीवनशैली का अनुभव कराएगी। रिसोर्ट जैसा खुलेपन का अनुभव देने वाले इन घरों में आराम और लग्ज़री का अद्वितीय मेल मिलेगा। यहाँ की कोठी और फ्लैट्स दोनों तरफ से खुले हैं।

कम मापतौल पर 89 फर्मों पर कार्रवाई

जयपुर। खाद्य-नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामलात मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि कंज्यूमर केयर अभियान में दूसरे दिन में प्रदेशभर में 89 फर्मों पर कार्रवाई गई। जिनमें में डिब्बा बंद वस्तुएं नियम के तहत 13 फर्मों पर तथा 56 फर्मों पर सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नही पाये गये। टीमों ने फर्मों के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस जारी करने की कार्यवाही की जाकर 1 लाख 84 हजार रु. का जुर्माना लगाया है। जयपुर में कौशल किशोर गुप्ता के पर्यवेक्षण में नेशनल स्टोर अनाज मंडी मालपुरा गेट सांगानेर पर कार्यवाही करते हुए 29 कांटे जब्त किए गए। प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार ने बताया कि कंज्यूमर केयर अभियान 30 अक्टूबर तक नियमित रूप से चलाया जायेगा। इस अभियान का उद्देश्य व्यापारियों को उपभोक्ताओं के व्यापक हित में सही माप तौल करने के लिये प्रेरित करने के साथ ही उपभोक्ता हितों का संरक्षण करना है। किसी भी प्रकार की सेवा एवं वस्तुएं जो राशी देकर प्राप्त की गई है, उन सेवाओं और वस्तुओं की शुद्धता, गुणवता, मानक, मात्रा एवं सही माप तौल उपभोक्ता का विधिक अधिकार है।

नगर निगम में भाजपा के पोस्टर पर नेता प्रतिपक्ष ने आपत्ति जताई

जयपुर। जयपुर नगर निगम में कांग्रेस पार्षद दल के नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी ने जयपुर नगर निगम ग्रेटर के मुख्यालय में भाजपा सदस्यता अभियान का पोस्टर चस्पा होने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि एक सरकारी कार्यालय में एक राजनीतिक दल के सदस्यता अभियान का पोस्टर चस्पा होना अनुचित है। भाजपा प्रदेश में सत्ताधारी दल है और नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर भी भाजपा से हैं। इस तरह भाजपा और महापौर दोनों मिलकर सत्ता का दुरूपयोग कर रहे हैं। नगर निगम ग्रेटर के प्रशासन को महापौर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दोनों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करानी चाहिए।

राजीव चौधरी ने कहा कि भाजपा की सत्ता का दुरूपयोग करने की पुरानी आदत रही है और इसने एक बार फिर जयपुर नगर निगम का भाजपाईकरण कर दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकारी कार्यालय के भीतर किसी राजनीतिक दल का पोस्टर नहीं लगाया जा सकता। लेकिन महापौर ने यह जानबूझकर किया है ताकि निगम मुख्यालय में अपनी समस्याएं लेकर

आने वाली जनता पर दबाव बनाया जा सके। समाज के गरीब, कमजोर, मजदूर वर्ग पर दबाव बनाकर भाजपा अपने सदस्य बना सके। इस समय भाजपा का सदस्यता अभियान विफल हो गया है और लोग भाजपा से जुड़ने को तैयार नहीं है। ऐसे में भाजपा कई हथकंडे अपना कर अपने बोगस सदस्य बनाना चाहती है। राजीव चौधरी ने कहा कि यही स्थिति रही तो जयपुर के सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों, सरकारी बस में यात्रा करने वाले यात्रियों को भी भाजपा जबरन सदस्य बनाने का प्रयास करेगी।

465 ग्राम स्मैक के साथ जयपुर में तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक तस्कर फैसल कुरैशी, शरीफ उर्फ टेम्पू एवं समीर खान को गिरफ्तार कर उनके पास से 465 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक एवं बिक्री राशि 17 लाख 31 हजार 210 रुपये बरामद किए है।

पुलिस ने बताया कि आरोपित स्मैक अकलेरा झालवाड़ से लाकर जयपुर शहर में सप्लाई करते है। आरोपितों से जब्त की गई मादक पदार्थ स्मैक की कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में करोड़ों रुपये है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी ने ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले तस्कर फैसल कुरैशी (25), शरीफ उर्फ टेम्पू (23) और समीर खान (19) को गिरफ्तार किया है और तीनों ही आरोपित शक्ति कॉलोनी आमागढ दिल्ली बाईपास रोड ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर के रहने वाले है। गिरफ्तार आरोपित् फैसल कुरैशी, शरीफ उर्फ टेम्पू एवं समीर खान जो अवैध मादक पदार्थ के बड़े तस्कर है। आरोपित यह स्मैक अकलेरा झालावाड़ के तस्करों से लेकर आते है। जयपुर में 1-1 ग्राम की पुड़ियों में युवा एवं मजदूर वर्ग को बेचते है। आरोपी फैजल कुरैशी मुख्य तस्कर है, जिसने अपने साथ 8-10 लड़कों की टीम बना रखी है।

जो जयपुर शहर के विभिन्न स्थानों

■ **झालावाड़ के अकलेरा से मादक पदार्थ लाकर जयपुर शहर में सप्लाई करते थे बदमाश**

■ **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्मैक बिक्री के 17.31 लाख रु. जब्त किए**

पर मादक पदार्थ का बेचा करते है। आरोपियों की शिकायत करने पर शिकायतकर्ता के साथ मारपीट करते है व धमकी देते है। आरोपी फैजल कुरैशी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट एवं मारपीट के सात प्रकरण दर्ज है। पुलिस आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ स्मैक के प्राप्ति स्त्रोत एवं सप्लायर के संबंध में पूछताछ करने में जुटी है।

इसी तरह गलता गेट पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर ने एक आरोपी को पकड़कर उसके पास से 7.57 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जब्त की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत गलता गेट थाना पुलिस और डीएसटी उत्तर ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले शातिर तस्कर अलफेज कुरैशी निवासी लालकोठी को गिरफ्तार किया है जो बास बदनपुरा चौकी की तरफ जाने वाले रोड स्थित मुरली-मनोहर मंदिर के पास से किसी को अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने की फिराक में खडा था।

'जल जीवन मिशन के कामों में तेजी लाकर ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचाएं पेयजल'

जयपुर (कासं)। जलदाय विभाग के प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने राजस्थान में जल जीवन मिशन की प्रमुख परियोजनाओं की शीघ्र क्रियान्विति के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को पूरा करने में आ रही समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जाए, ताकि ग्रामीण इलाकों में हर व्यक्ति के घर तक नल का पानी पहुंचे।

सावंत मंगलवार को जल भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जल जीवन मिशन के तहत चल रही प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि अधिग्रहण में देरी, वन विभाग से आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में विलंब और ठेकेदारों द्वारा कार्य धीमी गति से करने के कारण आने वाली समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बिखरे हुई आबादी वाले गांवों में हर घर में नल पहुंचाना चुनौतीपूर्ण कार्य है, जिसके लिए समुचित कार्य योजना बनाकर कार्य किया जाना चाहिये।

सावंत ने आईएमआईएस पोर्टल पर सभी परियोजनाओं की प्रगति को नियमित रूप से अपडेट करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही धीमी गति से काम करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अधिकारी परियोजना स्थलों का नियमित रूप से दौरा करें और आने वाली समस्याओं का तुरंत समाधान करें।

नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर हासिल करेंगे नेट जीरो का लक्ष्य : ऊर्जा मंत्री नागर

जयपुर में मंगलवार को साउथ एशियन क्लीन एनर्जी फोरम का कार्यक्रम आयोजित हुआ।

जयपुर। ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर वर्ष-2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन (नेट जीरो) के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी का परिणाम है कि हमारे देश की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 200 गीगावाट से अधिक हो गई है और राजस्थान 29.85 गीगावाट स्थापित क्षमता के साथ इसमें सर्वाधिक योगदान दे रहा है।

नागर मंगलवार को जयपुर के होटल हयात में साउथ एशियन क्लीन एनर्जी फोरम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्कॉटलैंड में वर्ष-2021 में आयोजित यूनाइटेड नेशंस क्लाइमेट चेंज सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन तथा कार्बन उत्सर्जन की समस्या से निपटने के लिए पांच सूत्री पंचामृत एजेंडा प्रस्तुत किया था। इसके माध्यम से उन्होंने साल 2030 तक भारत की ऊर्जा जरूरतों का 50 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से पूरा करने तथा कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को एक अरब टन कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

नागर ने कहा कि क्लाइमेट चेंज से

■ **क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से मुकाबले के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : नागर**

उत्पन्न चुनौतियों का मजबूती से मुकाबला करने तथा अक्षय ऊर्जा तक आमजन की पहुंच सुनिश्चित करने के सामूहिक प्रयास जरूरी हैं और राजस्थान इस दिशा में उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि साउथ एशिया क्लीन एनर्जी फोरम के माध्यम से नीति निर्माता, स्टेक होल्डर्स, डवलपमेंट पार्टनर्स तथा विशेषज्ञ एक ही मंच पर आकर ऊर्जा के क्षेत्र में भविष्य की नीतियों को आकार देंगे। उन्होंने नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, बांग्लादेश आदि के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाने के लिए भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इससे पहले भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि विश्व की करीब एक-चौथाई जनसंख्या तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में 28 प्रतिशत भागीदारी रखने वाले इस उप महाद्वीप में क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देना समय की मांग है। उन्होंने क्लाइमेट चेंज के कारण पर्यावरण पर बढ़ते खतरों की ओर ध्यान आकृष्ट किया। अमेरिकी राजदूत ने इस अवसर पर दक्षिण एशियाई रीजन में क्लीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए तीन नए कार्यक्रमों-शहरों के पर्यावरण अनुकूल विकास पर अमेरिका-दक्षिण एशिया मेयरल प्लेटफॉर्म, इंडो-अमेरिकी लो कार्बन कम्फर्ट एंड कूलिंग कलेक्टिव तथा क्लीन एनर्जी इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन प्लेटफॉर्म की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कूलिंग कलेक्टिव प्रोग्राम के माध्यम से वर्ष 2030 तक सुपर एफिशिएंट कूलिंग तकनीक के लिए एक बिलियन डॉलर जुटाने का लक्ष्य है।

फोरम को मालदीव सरकार की ट्रांसपोर्ट एंड सिविल एविएशन सचिव मरियम शहाना, भूटान सरकार के एनर्जी एंड नेचुरल रिसोर्सेज सचिव दाशो करमा शेरिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड ट्रांसपोर्ट सचिव दाशो फुंशो टोबगे, नेपाल सरकार में एनर्जी, वाटर रिसोर्सेज एंड इरीगेशन सचिव सुरेश आचार्य, श्रीलंका सरकार में पावर एंड एनर्जी के अतिरिक्त सचिव एके एन विक्रमसिंघे, मध्यप्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने संबोधित किया।